आउटिंग के लिए हमेशा बड़ी गाड़ियों की जरूरत होती है। अगर आप एडवेंचर पसंद हैं और आपको पहाड़ों पर जाना पसंद है तो आपके लिए मार्केट में कई गाड़ियां हैं। हर गाड़ी की अपनी खूबियां हैं। अहम है आपकी जरूरत और पंसद कैसी है। यह गाड़ियां ऐसी हैं, जिनमें फैमिली के साथ सुहाने सफर पर निकला जा सकता है। हम यहां बात करेंगे महिंद्रा थार रॉक्स, मारुति सुजुकी जिम्नी और फोर्स गुरखा 5-डोर की। जानिए कौन सी एसयूवी है, फैमिली और एडवेंचर दोनों के लिए बेस्ट।

Thar Roxx वर्सेज Jimny Vs Gurkha 5-Door

मार्केट में कई ऑफ-रोड एसयूवी आ गई हैं। सभी बहुत खूबसूरत और जबरदस्त हैं। ताकतवर इंजन, स्टाइलिश लुक के साथ ही इनमें बेहतरीन फीचर्स भी हैं। महिंद्रा थार रॉक्स, मारुति सुजुकी जिम्नी और फोर्स गुरखा 5-डोर- तीनों ही दमदार इरादों के साथ मार्केट में हैं। इनमें से कोई बेहतरीन टेक्नोलॉजी के साथ मैदान में है, तो कोई दमदार परफार्मेंस के साथ तो कोई हल्के वजन और अपनी सादगी के साथ लुभा रही है। सबसे अहम बात यह है कि आपकी जरूरत कैसी है और जंगल व पहाड़ पर एडवेंचर टूर के लिए आप किसको पसंद करते हैं।

कौन है ऑफ रोडर सुल्तान

बात फैमिली के साथ सफर की

अगर बात रियर सीट की करें, तो थार रॉक्स इन सबमें बेहतर है। इसमें पैरों के लिए काफी जगह है। एडजस्टेबल बैकरेस्ट है। साथ ही पैनोरमिक सनरूफ फैमिली इस्तेमाल को आसान बनाते हैं। जिम्नी चार-सीटर है और पीछे बैठने वालों को सीमित जगह से समझौता करना पड़ सकत है। गुरखा की खासियत इसका तीसरा रो है, लेकिन वहां पहुंचना और सामान के साथ इस्तेमाल करना उतना आसान नहीं लगता है।

ऑफ-रोड पर दमदारी किसकी

तीनों ही एसयूवी का बेस ऑफ-रोडर है। लैडर-फ्रेम चेसिस और लो-रेंज गियरिंग इनकी खूबरियां हैं। जिम्नी की खूबी उसका छोटा आकार और हल्का वजन है। बिना डिफरेंशियल लॉक के भी अगर सही लाइन पकड़ ली जाए तो जिम्नी मुश्किल रास्तों से भी आसानी से निकल जाती है। गुरखा 5-डोर- जैसा इसका नाम है वैसा ही इसका काम है। यह देसी, रॉ और मैकेनिकल फील देता है। फ्रंट और रियर डिफ लॉक इसकी खूबी है, जो कठिन हालात में बड़े काम के साबित होते हैं। थार रॉक्स की अपनी विशेषताएं हैं। इलेक्ट्रॉनिक रियर डिफ लॉक, हल्का इलेक्ट्रिक स्टीयरिंग और बेहतरीन कंट्रोल इसकी तकनीकी खूबियां हैं जो इसे ताकत भी देते हैं। लंबा व्हीलबेस होने के बावजूद ऑफ-रोड क्षमता में कोई कमी फील नहीं होती है।

लुक और रोड प्रेजेंस

जिम्नी सबसे कॉम्पैक्ट है। इसे शहर में चलाना आसान है। गुरखा 5-डोर ऊंचाई और बॉक्सी डिजाइन के कारण रोड पर काफी भारी-भरकम दिखती है- स्नॉर्कल और रूफ रैक इसे एडवेंचर रेडी बनाते हैं। जहां तक थार रॉक्स की बात है तो स्टाइल और साइज की इसकी बात दीगर है। केबिन में कदम रखते ही इसका प्रीमियम एहसास अलग फील कराता है। बड़ा टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट्स अच्छा एहसास करता हैं। गुरखा का इंटीरियर अभी भी बेसिक सा ही है।

इंजन की दमदारी

जिम्नी का पेट्रोल इंजन काफी बेहतर है, लेकिन हाईवे पर इसका जोश थोड़ा कम सा फील कराता है। गुरखा में नया डीजल इंजन है, जो पहले से कहीं बेहतर है। थार रॉक्स का डीजल इंजन काफी बेहतर है। ताकत, रिस्पॉन्स और गियर बॉक्स का तालमेल शहर, हाईवे और ऑफ-रोड- तीनों जगह बेहतर परफार्मेंस देता है। इसकी स्टीयरिंग भी ज्यादा आधुनिक और हल्की है।

सेफ्टी और कीमत

सेफ्टी फीचर्स में थार रॉक्स काफी बेहतर है। इसमें छह एयरबैग हैं। साथ ही स्टेबिलिटी कंट्रोल के साथ-साथ एडीएएस जैसी आधुनिक तकनीक इसे ज्यादा भरोसेमंद बनाती है। जिम्नी और गुरखा यहां थोड़ा लिमिटेड लगती है। अगर कीमत का आकलन करें तो जिम्नी सबसे सस्ती है। गुरखा बीच में और थार रॉक्स सबसे महंगी साबित होगी। तीनों की कीमत, फीचर्स, लुक, दमदार इंजन के साथ ही आपकी पसंद तय करेगी कि आपके लिए बेहतर क्या है?

मॉय फर्स्ट राइड

चार पहियों पर आत्मविश्वास की शुरुआत

मेरे लिए पहली बार कार चलाना सिर्फ़ एक नया हुनर सीखना नहीं था, बल्कि अपने डर पर जीत पाने की एक बड़ी कोशिश थी। आज भी उस दिन को याद करती हूं, तो दिल में हल्की-सी घबराहट और ढेर सारी खुशी एक साथ महसूस होती है। मैंने कार चलाना सीखने का फैसला बहुत सोच-समझकर लिया था। मन में कई सवाल थे-क्या मैं ठीक से चला पाउंगी? कहीं गलती हो गई तो? घरवाले और समाज की बातें भी अक्सर कानों में गूंजती थीं कि "महिलाओं के लिए ड्राइविंग मुश्किल होती है।" लेकिन कहीं न कहीं मेरे भीतर यह इच्छा ज़रूर थी कि मैं खुद स्टीयरिंग संभालूं और अपनी राह खुद तय करूं। जिस दिन पहली बार ड्राइविंग सीट पर बैठी, हाथ अपने आप कांप रहे थे। स्टीयरिंग पकड़ते ही उसकी ठंडक हथेलियों तक उतर आई। सामने फैला हुआ डैशबोर्ड, शीशों में दिखती सड़क और पैरों के नीचे क्लच-ब्रेक-सब कुछ नया और थोड़ा डरावना लग रहा था। ट्रेनर ने शांत आवाज में कहा, "डरने की ज़रूरत नहीं, आराम से।"

मैंने गहरी सांस ली और खुद को संभाला। जैसे ही इंजन स्टार्ट किया, दिल जोर-जोर से धड़कने लगा। पहली बार एक्सीलेरेटर दबाते समय ऐसा लगा मानो पूरी दुनिया मुझे देख रही हो।

कार धीरे-धीरे आगे बढ़ी और उसी पल मेरे भीतर कुछ बदल गया। डर अभी भी था, लेकिन उसके साथ एक अजीब-सी खुशी भी जुड़ गई थी। हर गियर बदलने पर आत्मविश्वास थोड़ा-थोड़ा बढ़ रहा था। सड़क पर निकलते ही मैंने शीशे में खुद को देखा। आंखों में डर के साथ-साथ गर्व भी था। मोड़ लेते समय हाथ सख्त हो जाते थे, लेकिन जैसे-जैसे कार मेरी पकड़ में आ रही थी, मन हल्का होता जा रहा था। हवा खिड़की से अंदर आ रही थी और मुझे एहसास हो रहा था कि मैं सिर्फ कार नहीं चला रही, बल्कि अपनी सीमाओं को भी पीछे छोड़ रही हूं।

एक बार कार हल्की-सी झटकी और मैं घबरा गई, लेकिन प्रशिक्षक की मुस्कान और हौसला देखकर फिर से संभल गई। उस छोटी-सी गलती ने मुझे सिखाया कि सीखने की प्रक्रिया में डर और गलतियां दोनों जरूरी हैं। जब ड्राइव खत्म हुई और मैंने कार रोकी, तो दिल से एक लंबी राहत की सांस निकली। चेहरे पर अपने आप मुस्कान आ गई। वह पल मेरे लिए बेहद खास था। पहली बार कार चलाकर मुझे यह एहसास हुआ कि आत्मनिर्भरता कितनी ताकत देती है। आज मैं जब भी कार चलाती हूं, उस पहले दिन को याद करती हूं। वह अनुभव मुझे हर बार याद दिलाता है कि अगर हिम्मत की स्टीयरिंग अपने हाथ में ले ली जाए, तो जिंदगी की कोई भी सड़क मुश्किल नहीं लगती।

-प्रो. प्रीती अभिषेक विमल, नई दिल्ली

नए ड्राइवरों के लिए सुरक्षित ड्राइविंग टिप्स

आज के समय में गाड़ी चलाना केवल एक तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। खासकर नए ड्राइवरों के लिए सड़क पर उतरना उत्साह के साथ-साथ सतर्कता की मांग करता है। ट्रैफिक नियमों की सही समझ, वाहन पर नियंत्रण और धैर्यपूर्ण व्यवहार ही सुरक्षित ड्राइविंग की बुनियाद होते हैं। अक्सर शुरुआती ड्राइवर जल्दबाजी या आत्मविश्वास की कमी के कारण गलतियां कर बैठते हैं, जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। ऐसे में यह गाइड नए ड्राइवरों को न केवल सुरक्षित ड्राइविंग के आवश्यक नियम सिखाता है, बल्कि उन्हें जिम्मेदार और समझदार चालक बनने की दिशा भी दिखाता है। आइए आपको बताते हैं सुरक्षित आसान टिप्स-

सुरक्षा, समझ और संयम से बनें बेहतर ड्राइवर

आज के तेज रफ्तार दौर में गाड़ी चलाना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। खासकर नए ड्राइवरों के लिए ड्राइविंग सीखना उत्साह और थोड़ी घबराहट दोनों का मेल होता है। सड़क पर आत्मविश्वास तभी आता है, जब नियमों की समझ, सही अभ्यास और धैर्य साथ हों। यह गाइड नए ड्राइवरों को सुरक्षित, संतुलित और जिम्मेदार चालक बनने में मदद करेगा।

ड्राइविंग से पहले सही तैयारी

ड्राइविंग शुरू करने से पहले सीट, स्टीयरिंग और शीशों को अपने शरीर के अनुसार एडजस्ट करना बेहद जरूरी है। सीट इतनी दूरी पर हो कि क्लच, ब्रेक और एक्सीलेरेटर आराम से दब सकें। रियर और साइड मिरर ऐसे सेट हों कि पीछे और बगल की सड़क साफ दिखाई दे। यह छोटी-सी तैयारी बड़ी दुर्घटनाओं से बचा सकती है।

ट्रैफिक नियम: सड़क की भाषा

ट्रैफिक सिग्नल, रोड साइन और लेन सिस्टम सड़क की भाषा होते हैं। नए ड्राइवरों को इन्हें गंभीरता से समझना चाहिए। रेड लाइट पर रुकना, जेब्रा क्रॉसिंग का सम्मान करना और ओवरस्पीडिंग से बचना- ये सभी आदतें आपको एक सभ्य चालक बनाती हैं। सीट बेल्ट लगाना केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन रक्षक उपाय है।

क्लच और ब्रेक पर नियंत्रण

शुरुआती ड्राइवर्स के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम होता है क्लच कंट्रोल। अचानक क्लच छोड़ना या तेज ब्रेक लगाना गाड़ी को झटके दे सकता है। अभ्यास के साथ धीरे-धीरे क्लच छोड़ना और ब्रेक का संतुलित इस्तेमाल सीखें। स्मूद ड्राइविंग ही सुरक्षित ड्राइविंग की पहचान है।

इंडिकेटर और हॉर्न का शिष्टाचार

मोड़ लेते समय या लेन बदलते वक्त इंडिकेटर देना आपकी जिम्मेदारी है। इससे पीछे और आगे चल रहे ड्राइवर सतर्क रहते हैं। हॉर्न का अनावश्यक इस्तेमाल तनाव और दुर्घटना दोनों बढ़ाता है, इसलिए केवल ज़रूरत पड़ने पर ही हॉर्न बजाएं।

स्पीड पर रखें कंट्रोल

तेज चलाना कौशल नहीं, बल्कि जोखिम है। नई जगहों, ट्रैफिक वाले इलाकों या संकरी सड़कों पर हमेशा धीमी गति रखें। गति नियंत्रण न केवल दुर्घटनाओं से बचाता है, बल्कि ईंधन की भी बचत करता है।

सुरक्षित दूरी का महत्व

आगे चल रही गाड़ी से पर्याप्त दूरी बनाए रखना बहुत जरूरी है। अचानक ब्रेक लगने की स्थिति में यह दूरी आपको प्रतिक्रिया देने का समय देती है। बारिश या धुंध में यह दूरी और बढ़ा देनी चाहिए।

रात की ड्राइविंग में सावधानी

रात में ड्राइव करते समय हाई बीम का गलत इस्तेमाल सामने से आने वाले ड्राइवर के लिए खतरनाक हो सकता है। सामने वाहन होने पर लो बीम का प्रयोग करें और सड़क पर पैदल चलने वालों का विशेष ध्यान रखें।

धैर्य और आत्मविश्वास

शुरुआत में गलती होना सामान्य है। जरूरी है कि आप घबराएं नहीं, जल्दबाज़ी न करें और अनुभव से सीखें। शांत मन और धैर्य ही आपको बेहतर चालक बनाते हैं।

मोबाइल और ड्राइविंग खतरनाक मेल

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग जानलेवा साबित हो सकता है। कॉल या मैसेज के लिए गाड़ी किनारे रोकें। सड़क पर आपकी एकाग्रता ही आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है।